दैनिक
जनता की आवाज...
लोक टुडे
विश्वसनीय खबरों का सर्वश्रेष्ठ अखबार

PK टाइम्स

pktimesnews.com
loktodaynews.com
PK Times News
thepktimesofficial
pk_timesofficial

वर्ष: 13 | अंक: 26 | मूल्य: 1.00 रुपए | पृष्ठ: 4 | सोमवार 10 अगस्त 2026 | RNI No. RAJHIN/2013/50649

ब्रीफ न्यूज

ईडी के डायरेक्टर राहुल नवीन का एक साल और बढ़ा कार्यकाल

नई दिल्ली, आरएनएन। केंद्र की मोदी सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मौजूदा डायरेक्टर राहुल नवीन पर भरोसा जताते हुए एक साल का कार्यकाल बढ़ा दिया है। वह अगले साल 13 अगस्त 2027 तक ईडी के डायरेक्टर के रूप में पद पर बने रहेंगे। बता दें कि राहुल नवीन राजस्व सेवा के अधिकारी हैं। वह 14 अगस्त 2024 से ईडी के डायरेक्टर के रूप में सेवा दे रहे हैं। यानी यहकेउनके कार्यकाल का तीसरा साल होगा। बता दें कि राहुल नवीन मूल रूप से बिहार के बेतिया जिले के रहने वाले हैं। राहुल नवीन 1993 बैच के आईआरएस अधिकारी हैं और उन्हें इंटरनेशनल टैक्सेशन का एक्सपर्ट माना जाता है। उन्होंने आयकर विभाग में 30 वर्षों से अधिक समय तक काम किया है।

सीएम शुभेंदु का ऐलान, आरजी कर रेप केस की फिर से होगी जांच

कोलकाता, आरएनएन। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त 2024 की रात 31 वर्षीय ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और निर्मम हत्या के मामले में शुभेंदु सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। मुख्यमंत्री ने इस मामले में नए सिरे से जांच की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पुलिस अपनी ड्यूटी निभाने में नाकाम रही थी। यह मामला विधानसभा में ममता बनर्जी की हार की बड़ी वजहों में से एक था।

बारामती में फिर एयरक्राफ्ट दुर्घटना, ट्रेनी पायलट सुरक्षित

पुणे, आरएनएन। महाराष्ट्र के पुणे में बारामती हवाई पट्टी के पास रविवार 9 अगस्त को एक प्राइवेट कंपनी का ट्रेनिंग विमान हादसे का शिकार हो गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यह दुर्घटना दोपहर करीब 12.30 बजे हुई। हादसे की वजह की जांच की जा रही है। पुणे ग्रामीण के एसपी संदीप सिंह गिल ने कहा, बारामती एयरफ़ील्ड पर ट्रेनिंग के दौरान वीटी-सेक्स नाम का एक विमान रनवे से बाहर निकल गया। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार ट्रेनी पायलट सुरक्षित बच गया।

संतों ने 6 दिसंबर को मथुरा में कारसेवा करने का किया ऐलान

मथुरा (आरएनएन)। श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद के बीच मथुरा में साधु-संतों ने एक बार फिर बड़ा कदम उठाते हुए आंदोलन को तेज करने की घोषणा कर दी है। संतों ने 6 दिसंबर को मथुरा में कारसेवा करने का ऐलान किया है। संतों ने इसको लेकर एक नारा भी दिया है जो कि कृष्ण लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे है। दरअसल, मथुरा चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने संतों का नेतृत्व करते हुए राज्य सरकार से अनुमति की मांग की है।

भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ ने संदिग्ध घुसपैठिये को मार गिराया

अमृतसर,आरएनएन। अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति को मार गिराया है। घटना शनिवार देर रात अमृतसर के बॉर्डर आउटपोस्ट दाओके इलाके की है। 181 बटालियन के जवानों ने बॉर्डर फेंसिंग के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। उसकी गतिविधि जवानों को संदिग्ध लगी। जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी लेकिन वह संदिग्ध तेजी से पाकिस्तान की ओर बढ़ते जा रहा था। संभावित खतरे को देखते हुए बीएसएफ के जवानों ने फायरिंग कर दी। इस फायरिंग में संदिग्ध की मौत हो गई है।

बेंगलुरु में प्रवासी राजस्थानी संगम— प्रवासी राजस्थानी पूरी दुनिया में फैला रहे मातृभूमि की महक और संस्कृति

जयपुर में 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह, मुख्यमंत्री का निमंत्रण 'पधारो म्हारे देस'

—व्यापार केवल ट्रांजेक्शन तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ट्रांसफॉर्मेशन का भी माध्यम बने

सेवा और सरोकार के जरिए प्रदेश की विकास यात्रा में भागीदारी निभाएं प्रवासी

राजस्थान में किए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के व्यापक सुधार- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

लोक टुडे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की मिट्टी की खुशबू पूरी दुनिया में फैला रहे हैं और अपनी संस्कृति, परंपरा एवं ऐतिहासिक गौरव को भी प्रतिष्ठित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम और योगदान की भावना को 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान में दिखाया है और पूरे उत्साह, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपनी भागीदारी भी निभाई है। राजस्थान से अपने अटूट नाते के साथ जल संरक्षण के क्षेत्र में सामाजिक सरोकार के कार्यों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से राजस्थान की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान भी किया।
मुख्यमंत्री रविवार को बेंगलुरु में आयोजित प्रवासी राजस्थानी संगम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रवासी भारतीय समुदाय को देश का ब्रांड एंबेसडर मानते हैं। मुख्यमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान सऊदी अरब, दुबई, रियाद और बहरीन में प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स द्वारा भारतीयों की सहायता के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने लोगों के ठहरने की व्यवस्था से लेकर उनकी सुरक्षित स्वदेश वापसी तक सहयोग दिया। यह हमारी संस्कृति के सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है।

तेज आर्थिक विकास की राह पर राजस्थान –

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान तेज आर्थिक विकास कर रहा है और देश के अग्रणी राज्यों के रूप में उभर रहा है। राजस्थान देश की 7वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। राज्य की जीएसडीपी वृद्धि दर 12 प्रतिशत से अधिक है और प्रति व्यक्ति आय 2 लाख रुपये से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 2030 तक 350 बिलियन डॉलर और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कारोबार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनमें एमएसएमई के लिए कन्सेंट टू ऑपरेट की अधिकतम समय सीमा 120 दिन से घटाकर 30 दिन तथा बड़े उद्यमों के लिए 60 दिन करना शामिल है। वहीं, अप्रदूषणकारी व्हाइट कैटेगरी उद्योगों की सूची 104 से बढ़ाकर 877 की गई है। उन्होंने कहा कि निवेशकों की सुविधा के लिए राज्य की सिंगल विंडो प्रणाली राज निवेश के माध्यम से प्रदान की जा रही सेवाओं का विस्तार किया गया है। राजस्थान इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पॉलिसी-2026 के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों के सुव्यवस्थित विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम, राजस्थान एमएसएमई पॉलिसी, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024 और एक जिला-एक उत्पाद पॉलिसी के माध्यम से उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

राज्य सरकार का प्रयास, प्रवासी राजस्थानियों से सीधा जुड़ाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अपनी मिट्टी को याद रखता है, उसकी मिट्टी भी उसे कभी नहीं भूलती। इसी भावना के साथ राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने बताया कि डोमेस्टिक एंड ओवरसीज राजस्थानी अफेयर्स विभाग का गठन कर प्रवासी राजस्थानियों से नियमित समन्वय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने के इच्छुक प्रवासियों की सुविधा के लिए राजस्थान डेवलपमेंट सपोर्ट पोर्टल शुरू किया गया है। विदेश मंत्रालय के सहयोग से जयपुर में विदेश संपर्क कार्यक्रम आयोजित कर प्रवासियों की चुनौतियों के समाधान पर विमर्श किया गया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के बाद प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग बढ़ा है। बेंगलुरु की टेक्नोलॉजी और राजस्थान की उद्यमशीलता को मिलाकर विकास का नया अध्याय लिखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार केवल ट्रांजेक्शन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वह ट्रांसफॉर्मेशन का माध्यम भी बनना चाहिए। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से व्यापार को केवल बैलेंस शीट तक सीमित ना रखकर सेवा और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से राजस्थान को समृद्ध बनाने में योगदान देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को 10 दिसम्बर 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया और कहा कि उनके अनुभव, सुझाव और सहभागिता के जरिए राजस्थान की विकास यात्रा को और गति मिलेगी। साथ ही, कर्नाटक में राजस्थान भवन की स्थापना की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों को स्थायी सांस्कृतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक केंद्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कर्नाटक सरकार से संपर्क किया गया है और इस दिशा में हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

चार हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की सिफारिश

● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने चार न्यायाधीशों को अलग-अलग हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने छह अगस्त को हुई बैठक में यह फैसला लिया। जिन हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस की सिफारिश की गई है उनमें पटना, कलकत्ता, बंबई और पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय शामिल हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट में कार्यरत न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की गई है। बंबई हाईकोर्ट के न्यायाधीश रवींद्र वी. घुगे को कलकत्ता हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी को बंबई हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की गई है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश अश्विनी कुमार मिश्रा को इसी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम ने एक अन्य फैसले में हाईकोर्ट के दो जजों के तबादले की भी सिफारिश की है। वर्तमान में उड़ीसा हाईकोर्ट में कार्यरत न्यायमूर्ति मानस रंजन पाठक का तबादला गुजरात हाईकोर्ट करने की सिफारिश की है। उड़ीसा हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति कृष्ण राम महापात्र का तबादला छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट करने की सिफारिश की गई है।

मद्रास हाईकोर्ट में 15 नए जजों की नियुक्तिः उधर, मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर रविवार को आठ अधिवक्ताओं और सात न्यायिक अधिकारियों ने शपथ ली। हाईकोर्ट परिसर में आयोजित एक सादे समारोह में, मुख्य न्यायाधीश एसए धर्माधिकारी ने नए न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। मद्रास हाईकोर्ट में इन 15 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ ही कुल जजों की संख्या 66 हो गई है जबकि स्वीकृत पद 75 है।

कॉन्फ्रेंस में बोले न्यायविद- कैदियों के पुनर्वास को बनाना होगा प्रभावी, इससे कम होंगे अपराध

इंदौर, आरएनएन। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के तत्वावधान में आयोजित वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन विशेष रूप से बाल-अनुकूल न्याय, संरक्षण एवं पुनर्वास को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

कॉन्फ्रेंस में न्यायविदों ने कहा कि कैदियों के पुनर्वास को प्रभावी बनाना होगा तभी समाज से अपराध कम होंगे। हमें उनके जीवन को बेहतर बनाने की व्यवस्थाएं बनाने पर तेजी से काम करना होगा। कॉन्फ्रेंस में विचार-विमर्श में ऐसे बाल-केंद्रित न्याय तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया गया, जो प्रत्येक बच्चे के संरक्षण, सहभागिता, विधिक सहायता, पुनर्वास एवं गरिमा को सुनिश्चित करे। बच्चों को विधिक सहायता प्रदान करने तथा उनके संरक्षण एवं पुनर्वास से संबंधित सेवाओं के समन्वय के लिए एकीकृत तंत्र सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। पाक्सो मामलों में पीड़ित-केंद्रित एवं बाल-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर भी महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। सत्र का समापन इस विचार के साथ हुआ कि प्रत्येक बच्चे को समयबद्ध संरक्षण, उपयुक्त विधिक सहायता एवं सार्थक न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समन्वित एवं संवेदनशील विधिक सेवा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जाना आवश्यक है।

बंदियों और उनके परिवारों के लिए भी विशेष योजनाएं

दूसरे दिन के द्वितीय तकनीकी सत्र में बंदियों एवं उनके परिवारों के पुनर्वास, पुनर्समावेशन तथा न्याय तक सार्थक पहुंच पर भी विचार-विमर्श किया गया। बंदियों तथा बंदियों के परिवारों के लिए सहायता को सुदृढ़ करने तथा पैरा-लीगल वालंटियर्स एवं जेल लोक अदालतों की भूमिका को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इनके माध्यम से विधिक सहायता, परिवार से पुनः संपर्क स्थापित करने तथा पुनर्वास संबंधी प्रयासों को प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

25 महिलाओं से शादी और करोड़ों की ठगी

समधी के खिलाफ बीजेपी विधायक ने दर्ज कराई एफआईआर

सीतापुर, आरएनएन। यूपी के सीतापुर में 25 महिलाओं से कथित तौर पर पहचान छिपाकर शादी करने और करोड़ों की ठगी के आरोपी अनुज त्रिवेदी के खिलाफ अब उनके समधी और भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी ने भी एफआईआर दर्ज कराई है।

दरअसल, भाजपा विधायक ने दो साल पहले अपनी बेटी डॉ. प्रज्ञा तिवारी की शादी अनुज त्रिवेदी के बेटे प्रखर त्रिवेदी से की थी। एफआईआर में विधायक ने बताया है कि 14 फरवरी 2024 को सीतापुर निवासी अनुज त्रिवेदी के बेटे प्रखर के साथ उनकी बेटी का विवाह हुआ था। उस समय अनुज त्रिवेदी ने खुद को मुंबई में रियल एस्टेट का कारोबारी बताया था।

वहीं, अपने बेटे प्रखर के बारे में बताया था कि वह गांव में स्कूल चलाता है। विवाह के करीब दो साल बाद सोशल मीडिया के जरिए विधायक को अनुज त्रिवेदी के कथित फर्जीवाड़े की जानकारी मिली। आरोप है कि अनुज ने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग महिलाओं से करीब 25 शादियां कीं और उनके साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की। मामले में मुंबई पुलिस पहले ही अनुज त्रिवेदी को गिरफ्तार कर चुकी है। वह डोंबिवली थाने में दर्ज एक एफआईआर के मामले में महाराष्ट्र में न्यायिक हिरासत में है।

रिलायंस ने की 40 हजार करोड़ अपराध की कमाई

● नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 8 अगस्त 2026 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में इस मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। यह 27 मार्च 2026 को दाखिल की गई मुख्य चार्जशीट के आगे की कार्रवाई है। चार्जशीट में ईडी ने 40,000 करोड़ रुपए को प्रोसीड ऑफ क्राइम यानी अपराध से हासिल रकम बताया है। इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड यानी आरकॉम, रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड यानी आरटीएल के अलावा गौतम भाईलाल दोशी, सतीश सेठ, अमिताभ झुनझुनवाला और कुछ अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। ईडी का आरोप है कि इन लोगों ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अपराध किए हैं। इन पर पीएमएलए की धारा 3 और धारा 3 के साथ धारा 70 के तहत मामला दर्ज किया गया है। ईडी की जांच सीबीआई की बैंकिंग सिक्योरिटीज एंड फ्रॉड ब्रांच, नई दिल्ली की ओर से दर्ज की गई कई एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। ये एफआईआर बैंकों और वित्तीय संस्थानों की शिकायतों पर दर्ज की गई थीं। इनमें रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस टेलीकॉम और रिलायंस इंफ्राटेल लिमिटेड से जुड़ी कथित वित्तीय गड़बड़ियों की जांच की जा रही थी।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी का खुलासा

बेंगलुरु में ट्रेकिंग पर गया इंदौर का युवक लापता

मंगेतर को बताया था घूमने का प्लान, मोबाइल फोन बंद, परिजनों को अपहरण का शक

● बेंगलुरू/

बेंगलुरु के बाहरी इलाके नेलामंगला स्थित शिवगंगे पहाड़ियों में ट्रेकिंग पर गया मध्य प्रदेश का युवक लापता हो गया है। युवक की पहचान इंदौर के रहने वाले अद्वैत उपाध्याय के रूप में हुई है। वह बेंगलुरु के बेगुर इलाके में रहकर एक फाइनेंस कंपनी में काम करता है। अद्वैत को ढूंढने के लिए पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 31 साल के अद्वैत उपाध्याय ने शुक्रवार को ट्रेकिंग पर जाने से पहले अपनी मंगेतर को अपने प्लान के बारे में जानकारी दी थी। उसने सफर के लिए एक बाइक किराए पर ली थी। शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे अद्वैत शिवगंगे पहाड़ी की तलहटी में पहुंचा और अपनी बाइक वहीं पार्क करके ऊपर चढ़ने लगा। पास के सीसीटीवी कैमरों में उन्हें पहाड़ी की ओर जाते हुए देखा गया है। पहाड़ी पर चढ़ने के बाद से ही अद्वैत का कोई सुराग नहीं मिला है और उसका मोबाइल फोन भी लगातार स्विच ऑफ आ रहा है। अद्वैत के परिवार का कहना है कि सुनसान पहाड़ी पर अकेला पाकर लुटेरों ने उसे निशाना बनाया हो सकता है, या फिर किसी ने उसका अपहरण कर लिया हो। परिवार किसी अवांछित अनहोनी को लेकर बेहद चिंतित है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई है। कडुगोडी पुलिस स्टेशन में अद्वैत की गुमशुदगी का केस दर्ज किया गया है।

पुलिस का बड़ा सर्च ऑपरेशन

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, शिवगंगे और उसके आसपास के घने पहाड़ी इलाकों में डॉग स्क्वायड और तलाशी दलों के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस मामले में अपहरण, दुर्घटना और राहजनी समेत सभी संभावित पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र पर बरसे राहुल गांधी

नई दिल्ली, आरएनएन। देश में पेपर लीक और लचर शिक्षा व्यवस्था को लेकर सियासत एक बार फिर चरम पर है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ के मुद्दे पर केंद्र सरकार, खासकर गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखे एक पोस्ट में साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को शांत नहीं होने देगी।

राहुल ने एक्स पर लिखा, अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा। कल प्रयागराज में एक छात्र ने मुझसे यही कहा, सालों की तैयारी, घर की जमीन बेची, मां-बाप का कर्ज और फिर भी अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा। यह हार उसकी नहीं है। यह उस व्यवस्था की हार है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों का यह दर्द किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे देश के लाखों युवाओं का है जो सालों-साल कड़ी मेहनत के बावजूद पेपर लीक और प्रशासनिक लापरवाही का शिकार हो रहे हैं।

जरा हट के — सालभर बाद निकले तो दीमक चट कर चुकी थी पूरी रकम, राजस्थान के बालोतरा जिले का मामला

पांच लाख रुपये खेत में गाड़कर भूला किसान

● बालोतरा

राजस्थान के बालोतरा जिले में एक किसान को अपनी मेहनत की कमाई सुरक्षित रखने का ऐसा तरीका भारी पड़ गया कि लाखों रुपये देखते ही देखते कागज के टुकड़ों में बदल गए। पचपदरा थाना क्षेत्र के नेवाई गांव निवासी किसान मांगीलाल मेघवाल ने करीब एक साल पहले अपना प्लॉट बेचा था।

इसके बदले उसे 5 लाख रुपये मिले थे। दरअसल, मांगीलाल अपने परिवार के साथ खेत में बनी कच्ची ढाणी में रहता है। पचपदरा में मौजूद प्लॉट बेचने के बाद उसका इरादा खेत में पक्का कमरा बनवाने का था। रकम को चोरी होने और बेवजह खर्च होने से बचाने के लिए उसने 5 लाख रुपये एक पॉलीथिन में रखे और खेत में गड्ढा खोदकर जमीन के अंदर दबा दिए। इसके बाद किसान ने इस बात की जानकारी पत्नी और बेटों तक को नहीं दी। बताया गया कि मांगीलाल को नशे की लत है और वह अक्सर चीजें भूल जाता है। कुछ समय बीतने के बाद जब पक्का कमरा बनवाने के लिए पैसे की जरूरत पड़ी, तो उसे याद आया कि उसने रकम खेत में कहीं दबाई थी। लेकिन तब तक वह जगह उसकी याददाश्त से पूरी तरह निकल चुकी थी।

10 बीघा खेत में रकम तलाशता रहा परिवार

मांगीलाल ने अपने स्तर पर खेत में कई जगह पैसे खोजे, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली। करीब 10 बीघा में फैले खेत में आखिर रकम कहां दबाई गई थी, इसका उसे कोई अंदाजा नहीं था। परेशान होकर उसने पत्नी और बेटों को पूरी बात बताई। शुरुआत में परिवार को उसकी बात पर भरोसा नहीं हुआ, लेकिन बाद में सभी ने खेत में अलग-अलग जगह खुदाई शुरू कर दी। परिजनों ने काफी तलाश की, मगर जमीन के नीचे दबे नोटों का कोई सुराग नहीं मिला। वक्त बीतता गया और परिवार ने भी उम्मीद छोड़ दी। किसान को शायद यह अंदाजा भी नहीं था कि जिस रकम को उसने सुरक्षित रखने के लिए जमीन में छिपाया था, वह धीरे-धीरे नमी और दीमक की चपेट में आ रही है। करीब एक साल बाद बारिश का मौसम आया और खेत में बुवाई की तैयारी शुरू हुई। इसी दौरान एक रात जमीन से रुपयों वाली पॉलीथिन की थैली बाहर निकल आई। अंधेरा होने के कारण परिवार की नजर उस पर नहीं पड़ी। अगले दिन जब मांगीलाल की पत्नी और बेटा खेत की तारबंदी ठीक कर रहे थे, तभी उनकी नजर उस थैली पर गई।

सुबह थैली खुली तो उड़ गए होशः परिजनों ने जब पॉलीथिन को खोलकर देखा तो उनके होश उड़ गए। उसके अंदर 500-500 रुपये के नोट पड़े थे, लेकिन उनकी हालत बेहद खराब थी। नोटों को दीमक ने जगह-जगह से काट दिया था और कई नोट छोटे-छोटे टुकड़ों में बदल चुके थे। परिवार को समझते देर नहीं लगी कि जिस रकम को बचाकर रखने की कोशिश की गई थी, वह अब लगभग बर्बाद हो चुकी है।

सम्पादकीय

पर्यटन की सीमा रेखा

पर्यटन की सीमा रेखा का उल्लंघन अंततः प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की ट्रांसफर सुनिश्चित कर गया। कथित रेव पार्टियों के आयोजन में प्रशासन की सुस्ती और इस तरह की गतिविधियों को पर्यटन मान लेने की गलती का नतीजा यह कि देश के कानून ने अधिकारियों के रवैये को सही नहीं माना। कुल्लू जिला के एसपी और डीसी को सर्वोच्च अदालत से भी राहत नहीं मिली। नतीजतन ये अफसर हटाने पड़े। यहां यह समझने की जरूरत है कि पर्यटन और पर्यटन में मनोरंजन में क्या सही और क्या गलत है। रेव पार्टियां पहले से ही पर्यटन की कुख्यात सहेलियां हैं, जो अवांछित गतिविधियों और नशे की दुकान की तरह, परिवेश के लिए चुनौती हैं। कुल्लू के कसौल क्षेत्र या पार्वती घाटी के अमन में छेद करता पर्यटन इतना निरंकुश कैसे हो सकता है कि मनोरंजन के नाम पर नशा चल जाए। इस कार्रवाई को नशे के खिलाफ दिया गया बड़ा फैसला माना जाना चाहिए, जहां प्रशासनिक लापरवाही दंडित हुई है। पर्यटन की प्रवृत्ति में अपराध की कई संज्ञाएं शिरकत कर रही हैं। इसके श्याम पक्ष का एक चित्रण अदालत के फैसले में हुआ, तो कई तरह के अपराध पर्यटन के बहाने हिमाचल को बदनाम करते हैं। यह भी एक तथ्य है कि पर्यटन के साथ अपराध का एक संगठित स्वरूप भी कार्यरत है। अंतरराज्यीय अपराध की कई शाखाएं इस बहाने प्रदेश के माहौल को तार-तार कर रही हैं। दुर्भाग्यवश हमने सस्ता पर्यटन, बिगड़ैल व्यापार और पूरे उद्योग को धंधा मान लिया, जबकि यह अति कोमल, सुसंस्कृत, शिष्टाचारी व सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा होना चाहिए। हम मलाणा क्रीम के ब्रांड के नीचे पवित्र कैसे रह सकते हैं। दरअसल हमने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के नाम पर इजरायली पर्यटन को विस्तार देते हुए कसोल और धर्मकोट को मिनी इजराइली बना दिया, तो घरेलू पर्यटन को तीर्थ यात्रा का अति साधारण पक्ष मान लिया। तीर्थ यात्राओं का अपना महत्त्व व विशेषता हो सकती है, लेकिन ये तो लंगर सेवा और आवांछित तत्त्वों के आगमन का खुला रास्ता बन गए। अभी बरसात के महीनों में जिस तरह कांवड़िए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान के ऊधम मार्ग बन जाते हैं, उसी तरह हिमाचल में बाइकर पर्यटन गेड़ी मार पर्यटकों का स्थल बन जाता है। ये पर्यटक न तो स्वच्छता का ध्यान रखते हैं और न ही पर्यटन आर्थिकी में सहायक होते हैं, बल्कि इनमें से कई नशे की खेप के साथ हिमाचल को प्रदूषित कर रहे हैं। न केवल नशा, बल्कि लंगरों के माध्यम से चिंतपूर्णी मार्ग पर गंदगी के कई पहाड़ खड़े हो जाते हैं। कुछ युवा पर्यटक ट्रैकिंग व मनोरंजन गतिविधियों के नाम पर कई व्यसनों के शिकार हो रहे हैं।

वर्तमान के श्रम और भविष्य की योजना से सुनिश्चित होता राष्ट्र का भविष्य

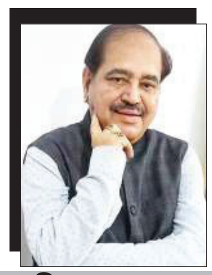

संजीव ठाकुर

आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि "आशाओं पर आकाश टिका हुआ है" और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है।

दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा।

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, वर्तमान का कठोर श्रम सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होता है। इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि "आशाओं पर आकाश टिका हुआ है" और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे।

हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।

सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

भारत की आत्मा एवं प्रकृति के संरक्षक हैं आदिवासी

ललित गर्ग

भारत की विकास यात्रा तब तक पूर्ण नहीं कही जा सकती जब तक जल, जंगल और जमीन से जुड़ा वह समाज, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति की रक्षा की है, सम्मान और समान अवसर के साथ राष्ट्रीय प्रगति का अभिन्न भाग न बने। आदिवासी समाज ने कभी प्रकृति का दोहन नहीं किया, बल्कि उसका संरक्षण किया। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संकट और जैव विविधता के संरक्षण की चिंता कर रही है, तब आदिवासी जीवन-दर्शन आधुनिक विश्व के लिए एक वैकल्पिक विकास मॉडल प्रस्तुत करता है। आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है।

विश्व आदिवासी दिवस केवल एक अंतरराष्ट्रीय आयोजनभर नहीं है, बल्कि यह उस मूल चेतना का अभिनंदन है जिसने मानव सभ्यता को प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की कला सिखाई। भारत के आदिवासी समुदाय केवल जनसंख्या का एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे इस राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति, पर्यावरणीय संतुलन, आध्यात्मिक संवेदना और स्वाधीनता चेतना के जीवंत प्रतिनिधि हैं। यदि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत की संकल्पना को वास्तविक अर्थों में साकार करना है, तो आदिवासी समाज को विकास का विषय नहीं, बल्कि विकास का सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना होगा। भारत की विकास यात्रा तब तक पूर्ण नहीं कही जा सकती जब तक जल, जंगल और जमीन से जुड़ा वह समाज, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति की रक्षा की है, सम्मान और समान अवसर के साथ राष्ट्रीय प्रगति का अभिन्न भाग न बने। आदिवासी समाज ने कभी प्रकृति का दोहन नहीं किया, बल्कि उसका संरक्षण किया। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संकट और जैव विविधता के संरक्षण की चिंता कर रही है, तब आदिवासी जीवन-दर्शन आधुनिक विश्व के लिए एक वैकल्पिक विकास मॉडल प्रस्तुत करता है। आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। 'जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है'-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही 'वनवासी' कहलाए गए, परंतु उनका जीवनदर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें 'पराया' बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस परायेपन का दूर करने के लिये पिछले वर्षों में जनजातीय समाज के सम्मान और सशक्तीकरण को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय हो, जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास की योजनाओं का विस्तार हो, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का व्यापक विस्तार हो, अथवा प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी पहलें-इन सबने यह स्पष्ट किया है कि नए भारत की विकासधारा में आदिवासी समाज को केंद्र में रखने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल योजनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टिकोण में परिवर्तन का संकेत है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी सरकारी योजना की सफलता तभी सुनिश्चित होती है, जब समाज के भीतर से ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व सामने आएं जो सेवा, संस्कार और संगठन के माध्यम से परिवर्तन की चेतना जगाएं। गुजरात के सुप्रसिद्ध जैन संत डॉ. गणि राजेन्द्र विजयजी ने इसी दिशा में पिछले दो-तीन दशकों में जो कार्य किया है, वह केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि जनजातीय पुनर्जागरण का एक व्यापक अभियान है। उन्होंने आदिवासी समाज को दया का पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की शक्ति माना। शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और नैतिक जागरण जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके नेतृत्व में जो कार्य हुए, उन्होंने हजारों परिवारों के जीवन में नई आशा का संचार किया। मेरा सौभाग्य है कि मैं प्रारंभ से ही उनके मिशन से जुड़ा रहा हूं। सुखी परिवार फाउंडेशन इस जनजागरण यात्रा का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा। वर्ष 2007 में आयोजित विशाल आदिवासी सम्मेलन भारतीय सामाजिक इतिहास की एक स्मरणीय घटना सिद्ध हुआ। लाखों की संख्या में उपस्थित आदिवासी समाज का उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास यह प्रमाणित कर रहा था कि यदि सही नेतृत्व और विश्वास मिले तो जनजातीय समाज राष्ट्र की सबसे बड़ी सकारात्मक शक्ति बन सकता है। उस ऐतिहासिक सम्मेलन में तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति ने इस आयोजन को नई ऊंचाई प्रदान की। विशाल जनसमुदाय को देखकर उनके मन में जो प्रसन्नता और आत्मीयता दिखाई दी, वह केवल एक राजनीतिक क्षण नहीं था, बल्कि जनजातीय चेतना के प्रति उनके विश्वास का सार्वजनिक प्रकटीकरण था। उसी मंच से उन्होंने सुखी परिवार फाउंडेशन को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के संचालन का दायित्व सौंपा। साथ ही जनजातीय विकास के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु योजना सहित अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। यह सम्मेलन केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनजातीय विकास की राष्ट्रीय दिशा निर्धारित करने वाला प्रेरक अवसर सिद्ध हुआ। गणि राजेन्द्र विजयजी के प्रभावी नेतृत्व, समाज के प्रति समर्पण और जनजातीय क्षेत्रों में किए गए रचनात्मक कार्यों ने इस सम्मेलन को एक ऐतिहासिक आयाम दिया। उस मंच से उठी सेवा, संस्कार और समरसता की भावना ने जनजातीय समाज और शासन के बीच विश्वास का एक नया सेतु निर्मित किया। अनेक लोगों की दृष्टि में यह सम्मेलन उस सकारात्मक सामाजिक वातावरण का भी प्रतीक बना, जिसने आगे चलकर नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय नेतृत्व के लिए व्यापक जनविश्वास का आधार तैयार किया। इसे भारतीय जनजीवन में सामाजिक और आध्यात्मिक शक्तियों के समन्वय के एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। आज विकसित भारत की चर्चा केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं रह सकती। यदि भारत को विश्वगुरु बनना है तो उसे अपनी सांस्कृतिक जड़ों, पर्यावरणीय मूल्यों और सामाजिक समरसता को भी समान महत्व देना होगा। इस दृष्टि से आदिवासी समाज भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उनके पास प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का अनुभव है, औषधीय ज्ञान है, जैव विविधता की समझ है, लोककला है, सामुदायिक जीवन का अनुकरणीय मॉडल है और सबसे बढ़कर मानवीय संवेदनाओं से भरा जीवन-दर्शन है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ड्रोन, जैव प्रौद्योगिकी और वैश्विक नवाचार के युग में आवश्यकता इस बात की है कि आदिवासी समाज को इन आधुनिक साधनों से जोड़ा जाए, किंतु उनकी सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे। उनकी भाषाओं का डिजिटलीकरण, लोक परंपराओं का दस्तावेजीकरण, वन उत्पादों का वैश्विक विपणन, स्थानीय उद्यमिता का विकास, डिजिटल शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसी व्यवस्थाएं उन्हें आधुनिकता से जोड़ते हुए उनकी अस्मिता को भी सुरक्षित रख सकती हैं। इतिहास साक्षी है कि भारत की स्वतंत्रता की पहली ज्वालाएं जंगलों और पहाड़ों से ही उठी थीं। बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, कोमाराम भीम, गोविंद गुरु और असंख्य जनजातीय वीरों ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। दुर्भाग्य से मुख्यधारा के इतिहास में उन्हें वह स्थान नहीं मिला जिसके वे अधिकारी थे। आज आवश्यकता केवल उनके स्मरण की नहीं, बल्कि उनके जीवन-मूल्यों को राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा बनाने की है। विश्व आदिवासी दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल ऊंची इमारतें, स्मार्ट शहर और औद्योगिक निवेश नहीं है। विकास का अर्थ है-मानव गरिमा, सांस्कृतिक सम्मान, सामाजिक न्याय और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन। आदिवासी समाज इन सभी मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। आज जब भारत अमृतकाल में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब यह स्मरण रखना आवश्यक है कि भारत की आत्मा महानगरों की चमक में नहीं, बल्कि उन वनों, पर्वतों और जनजातीय बस्तियों में भी धड़कती है, जहां प्रकृति आज भी संस्कृति का उत्सव मनाती है।

हैलो फ्रेंड से आईआईटी तक युवाओं में अपनी पैठ बचाने में कामयाब रही सरकार और संघ

संजय सक्सेना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर अपनी पार्टी के लिए संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए युवाओं की बीजेपी और उनकी सरकार के प्रति नाराजगी के संकट को अपनी वाकपटुता से काफी हद तक टाल दिया है। विपक्ष युवाओं की पीठ पर चढ़कर मोदी सरकार को घेरने का जो सपना पाले हुए था, वह लगभग टूट चुका है। हाल ही में नीट पेपर लीक के बाद देश की राजनीति में युवाओं की भूमिका, उनकी मोदी सरकार से नाराजगी और उससे निपटने के लिए सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच चली आ रही रणनीतिक खींचतान ने एक नया मोड़ ले लिया है। नीट पेपर लीक जैसी गंभीर घटनाओं के बाद उपजे असंतोष को जिस प्रकार से राजनीतिक गलियारों में भुनाने और थामने के प्रयास किए गए, वे भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य को गहराई से समझने का अवसर देते हैं। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई, जब काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी ने देश के युवाओं को साथ लेकर जंतर-मंतर पर एक विशाल धरना प्रदर्शन किया। हालांकि, यह प्रदर्शन कुछ विवादों के घेरे में भी रहा, लेकिन इसके बावजूद इसे काफी सफल माना गया। इसकी मुख्य वजह यह थी कि सीजेपी ने मोदी सरकार के सामने जो मांगें रखी थीं, उन्हें अंततः देर से ही सही, लेकिन सरकार को पूरा करना ही पड़ा। इस सफलता ने अचानक से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में युवाओं को ला खड़ा किया, और यहीं से राजनीतिक विश्लेषकों तथा पंडितों के बीच एक नए नैरेटिव की शुरुआत हुई। राजनीतिक पंडितों और जानकारों ने यह नैरेटिव गढ़ना शुरू कर दिया कि आज की जेन जी यानी देश का युवा वर्ग मोदी सरकार से बुरी तरह नाराज चल रहा है। इस वर्ग का मोहभंग होना किसी भी सत्ताधारी दल के लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता था। इस बात का अहसास होते ही विपक्षी दलों ने इस मौके को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित तमाम विपक्षी दलों के नेता तुरंत मैदान में उतर आए और युवाओं को सरकार के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाने के लिए प्रेरित करने लगे। विपक्षी नेताओं ने इस दौरान पैलेट गन और एके-47 जैसे गंभीर और संवेदनशील मुद्दों का हवाला देते हुए युवाओं की भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया, ताकि सरकार के खिलाफ एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया जा सके। विपक्ष को यह लगने लगा था कि युवाओं की यह नाराजगी आगामी चुनावों

पक्षियों के गीतों में मानव भाषा के पैटर्न की झलक

डॉ. विजय

पक्षियों के गीत लंबे समय से मनुष्य को आकर्षित करते आए हैं। जंगलों, बगीचों और खेतों में गूंजती पक्षियों की मधुर ध्वनियाँ अत्यंत व्यवस्थित और उद्देश्यपूर्ण प्रतीत होती हैं। सदियों से मनुष्य यह सोचता आया है कि क्या ये गीत केवल प्राकृतिक और जन्मजात पुकारें हैं या इनमें मानव भाषा की संरचना से मिलते-जुलते कुछ पैटर्न भी मौजूद हैं। पशु-संचार के क्षेत्र में हो रहे आधुनिक शोध ने इस प्रश्न को और भी रोचक बना दिया है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि पक्षियों के गीतों में कुछ ऐसे सांख्यिकीय पैटर्न भी पाए जा सकते हैं, जो मानव भाषा की विशेषताओं से मिलते-जुलते हैं। मानव भाषा केवल बेतरतीब ध्वनियों का समूह नहीं है। शब्द और ध्वनियाँ विशेष तरीकों से एक-दूसरे के साथ जुड़ती हैं और कुछ क्रम दूसरों की तुलना में अधिक पूर्वानुमेय होते हैं। भाषावैज्ञानिकों ने पाया है कि मानव भाषाओं में शब्दों और ध्वनियों की व्यवस्था तथा पुनरावृत्ति के कुछ सांख्यिकीय नियम होते हैं। इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण जिप्फ का नियम है, जो शब्दों के उपयोग की आवृत्ति से संबंधित है। कुछ थोड़े से शब्द बहुत अधिक बार प्रयोग किए जाते हैं, जबकि बड़ी संख्या में अन्य शब्द अपेक्षाकृत कम उपयोग होते हैं। पक्षियों के गीतों का अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं ने पाया है कि कुछ पक्षियों की ध्वनियों में भी दोहराव, क्रमबद्धता और पूर्वानुमेयता के व्यवस्थित पैटर्न पाए जाते हैं। कुछ प्रजातियों के गीत छोटी-छोटी ध्वनि इकाइयों से बने होते हैं, जिन्हें आगे बड़े क्रमों में व्यवस्थित किया जाता है। ये क्रम कुछ पहचाने जा सकने वाले नियमों का पालन करते दिखाई देते हैं। इससे संकेत मिलता है कि पक्षी अपनी ध्वनियों को पूरी तरह बेतरतीब ढंग से उत्पन्न नहीं करते। लेकिन पक्षियों के गीतों को मानव भाषा समझना उचित नहीं होगा। मानव भाषा में असाधारण लचीलापन है। हम अनगिनत वाक्य बना सकते हैं, भूतकाल और भविष्य की घटनाओं के बारे में बात कर सकते हैं, अमूर्त विचार व्यक्त कर सकते हैं, प्रश्न पूछ सकते हैं, कहानियाँ सुना सकते हैं और उन चीजों के बारे में जानकारी दे सकते हैं जो उस समय हमारे सामने मौजूद नहीं हैं। इसके विपरीत, पक्षियों के संचार की सीमा और उद्देश्य सामान्यतः काफी सीमित होते हैं। दोनों के बीच समानता मुख्य रूप से पैटर्न और संगठन में है, न कि अर्थ में। किसी पक्षी के गीत में ध्वनि की इकाइयाँ कुछ विशेष संभावनाओं के अनुसार दोहराई और व्यवस्थित की जा सकती हैं। कुछ क्रम सामान्य हो सकते हैं, जबकि कुछ बहुत कम सुनाई दे सकते हैं। इस प्रकार की संरचना वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर सकती है कि जटिल संचार प्रणालियाँ कैसे विकसित होती हैं और मस्तिष्क व्यवस्थित ध्वनियों को किस प्रकार संसाधित करता है। पक्षियों के गीत वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि कई पक्षी अपनी ध्वनियाँ सीखते और उत्पन्न करते हैं, जिसका प्रयोगात्मक अध्ययन किया जा सकता है। कई प्रजातियों के युवा गाने वाले पक्षी अपने वयस्क पक्षियों से गीत के कुछ हिस्से सीखते हैं। यह कुछ हद तक उस प्रक्रिया जैसा है, जिसमें मानव बच्चे अपने आसपास के लोगों को सुनकर भाषा सीखते हैं। इसलिए पक्षियों में गीत सीखने की प्रक्रिया सीखने, स्मृति, अनुकरण और संचार को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक मॉडल बन गई है। पक्षियों के गीतों का अध्ययन संचार और भाषा के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर को भी उजागर करता है। अनेक जीव संचार करते हैं। मधुमक्खियाँ अपने नृत्य के माध्यम से भोजन के स्रोतों के बारे में जानकारी देती हैं। व्हेल जटिल ध्वनियाँ उत्पन्न करती हैं। प्राइमेट विभिन्न पुकारों और हाव-भावों का उपयोग करते हैं। पक्षी साथी को आकर्षित करने, अपने क्षेत्र की रक्षा करने, खतरे की चेतावनी देने या सामाजिक संपर्क बनाए रखने के लिए अलग-अलग ध्वनियों का प्रयोग करते हैं। इसलिए संचार प्रकृति में व्यापक रूप से पाया जाता है।

हादसा

ट्रॉले ने वैन को टक्कर मारी,6 दोस्तों की मौत

महाकाल दर्शन कर गुजरात लौट रहे थे; ग्राइंडर से गाड़ी काटकर निकाले जा सके शव

बदनावर (धार)। धार जिले के बदनावर में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने वैन को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई। वैन में सवार सभी छह श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। वे गुजरात में वड़ोदरा के रहने वाले थे और उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे। गाड़ी की हालत ऐसी थी कि उसकी बॉडी काटकर दो शव निकाले जा सके। ट्रॉला ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ। सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला।

तीन लोगों की पहचान हुई

हादसे में जान गंवाने वाले सभी 6 लोग आपस में दोस्त थे। इनमें से तीन की पहचान- मयूर कुमार पिता प्रकाश भाई निवासी गोधरा, विशाल कुमार पिता रमेश भाई निवासी पंचमहाल, राकेश पिता भूपतसिंह मकवाना निवासी पंचमहाल के रूप में हुई। इनमें से एक रॉयल एन्फील्ड शोरूम में काम करता था। बाकी पांच फाइनेंस कंपनी में थे।

ट्रॉले में लोहे का सामान भरा था

पुलिस ने कहा- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वैन में 6 लोग सवार थे। ट्रॉला नंबर GJ39 DB 9248 रॉन्ग साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। इसमें लोहे का सामान भरा था।

एग्रीविजन के नॉर्थ वेस्ट जोन की द्वितीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

कृषि और संबद्ध व्यवसाय भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़, युवा नई तकनीक से बढ़ाएं कृषि की ताकत : राज्यपाल

भारतीय ज्ञान परंपरा और कृषि नवाचारों को बताया समृद्ध विरासत

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कृषि और इससे जुड़े संबद्ध व्यवसाय भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे हैं और आज भी देश की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों को केवल परंपरागत व्यवसाय के रूप में नहीं देखें, बल्कि आधुनिक तकनीक, नवाचार और उद्यमिता से जोड़कर इसे रोजगार और समृद्धि का सशक्त माध्यम बनाएं। राज्यपाल श्री बागडे शनिवार को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध राजस्थान कृषि महाविद्यालय सभागार में एग्रीविजन के नॉर्थ वेस्ट जोन की द्वितीय कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की कृषि परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। मध्यकालीन भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव कृषि एवं इससे जुड़े व्यवसायों पर टिकी थी। समय के साथ कृषि तकनीकों में भी अनेक

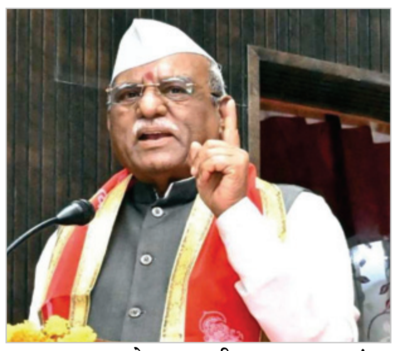

नवाचार हुए, जो भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रमाण हैं। उन्होंने युवाओं को परंपरागत कृषि आधारित व्यवसायों से जुड़ने तथा उन्हें आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज कृषि क्षेत्र में तकनीक, अनुसंधान, स्टार्टअप, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। युवा इन अवसरों को पहचानकर कृषि को उद्यमिता से जोड़ सकते हैं। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और उद्यमिता विकास में युवाओं की भूमिका पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। राज्यपाल ने मेवाड़ की ऐतिहासिक एवं सामरिक महत्ता का उल्लेख करते हुए महाराणा प्रताप के संघर्ष और दूरदर्शिता को याद किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप न केवल आत्म गौरव और राष्ट्र रक्षा के लिए युद्ध नहीं किए, अपितु विपरीत परिस्थितियों में भी कृषि और जनजीवन के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। उनका जीवन युवाओं को कठिन परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और नवाचार के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। श्री बागडे ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक समृद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, महर्षि भार्गव, महर्षि पाराशर सहित अनेक ऋषि-मुनियों ने अपने प्रयोगों और अनुसंधानों से ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत 600 बालिकाओं ने लिया सुरक्षा का संकल्प

एएसपी (कम्युनिटी पुलिसिंग) श्रीमती सुनिता मीणा के नेतृत्व में आनासागर चौपाटी पर बनायी महिला सुरक्षा श्रृंखला

जयपुर(नि.सं.)। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा, आईजी अजमेर रेंज डॉ. रवि और जिला पुलिस अधीक्षक हर्ष वर्धन अग्रवाला के निर्देशन में महिला सुरक्षा को लेकर अजमेर में एक भव्य जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के अंतर्गत अजमेर की आनासागर नई चौपाटी पर एक विशेष महिला सुरक्षा श्रृंखला का निर्माण किया गया, जिसमें करीब 600 बालिकाओं और महिला पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस मुख्यालय, जयपुर से पधारीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (कम्युनिटी पुलिसिंग) श्रीमती सुनिता मीणा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं और कालिका यूनिट, सेल्फ डिफेंस टीम व पुलिस कर्मियों ने हाथों में सुरक्षा स्लोगन लिखी पट्टिकाएं लेकर आमजन को जागरूक किया। सभी ने गुब्बारों का आकाश में विमोचन कर महिला सुरक्षा के प्रति अपने दृढ़ संकल्प को दोहराया। इस दौरान छात्राओं को राजकॉप सिटीजन ऐप, पुलिस हेल्पलाइन नंबर्स और महिलाओं से संबंधित नवीन कानूनों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सेल्फ डिफेंस टीम ने बालिकाओं को मुसीबत के समय अपना बचाव करने के लिए लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया।

सतगुरू इंटरनेशनल स्कूल में भी जागरूकता सत्र : अभियान की निरंतरता में, पृथ्वीराज नगर स्थित सतगुरू इंटरनेशनल स्कूल में भी बालिकाओं के लिए जागरूकता सत्र आयोजित हुआ।

न्यूज ब्रीफ

तलवार से हमला करने वाले महंत का शव मिला

धूणी के पास पेड़ पर फंदे से लटके थे, दो दिन पहले ही जमानत पर आए थे

मारवाड़ मूंडवा(वि.सं.)। नागौर जिले में श्रद्धालु पर तलवार से हमला करने वाले महंत का शव पेड़ से लटका मिला। महंत को 2 दिन पहले ही जमानत मिली थी। रविवार सुबह धूणे पर एक श्रद्धालु आया तो शव दीवार से सटे पेड़ पर लटका हुआ दिखा। श्रद्धालु ने गांव वालों को बताया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव फंदे से उतारकर हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। मामला मारवाड़ मूंडवा के खुड़खुड़ा गांव में का रविवार सुबह करीब 7 बजे का है। दरअसल, खुड़खुड़ा गांव में श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा 14 गढ़ी महंत लक्ष्मणगिरी महाराज की धूणी है। मंगल गिरी महाराज धूणे के महंत थे। मारवाड़ मूंडवा थानाधिकारी देवीलाल विश्नोई ने बताया-खुड़खुड़ा धूणे के महंत मंगल गिरी का शव रविवार को पेड़

ब्लैकमेलर महिला ने ऐंठे 5 लाख रुपए

फेसबुक के जरिए हुई थी दोस्ती, झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी दी

जयपुर(नि.सं.)। राजधानी जयपुर में एक ब्लैकमेलर महिला द्वारा युवक से करीब 5 लाख रुपए ऐंठने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी महिला ने फेसबुक के जरिए युवक से दोस्ती की और फिर उसे अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने लगी। इस संबंध में पीड़ित युवक ने शिवदासपुरा थाने में आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। शिवदासपुरा थानाधिकारी (SHO) राजेश गौतम ने बताया कि गोनेर निवासी 28 वर्षीय युवक ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़ित के अनुसार, करीब 3 साल पहले फेसबुक पर एक महिला ने उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी, जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। पश्चिम बंगाल की रहने वाली इस महिला ने अपनी मीठी-मीठी बातों में फंसाकर जरूरत के नाम पर उससे रुपए ऐंठना शुरू कर दिया।

मुख्यमंत्री को समान सिविल संहिता प्रारूप समिति ने सौंपा यूसीसी का ड्राफ्ट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से समान सिविल संहिता प्रारूप समिति के सदस्यों ने मुलाकात कर राजस्थान में समान सिविल संहिता (यूसीसी) के संबंध में तैयार किया गया ड्राफ्ट सौंपा। इस अवसर पर विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, समिति के सदस्य बसंत सिंह छाबा, रामस्वरूप अग्रवाल, डॉ. शुचि चैहान तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत उपस्थित रहे। साथ ही, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

युवाओं एवं आमजन से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का किया आह्वान

हर घर तिरंगा अभियान से प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रीय एकता और देश प्रेम की भावना हो रही प्रगाढ़: पटेल

जयपुर(नि.सं.)। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को केवल तिरंगा फहराने तक सीमित न रखते हुए इसे व्यापक जन-जागरूकता अभियान का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक इस अभियान से जुड़कर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने में अपनी भूमिका निभाए। पटेल ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान से प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रीय एकता और देश प्रेम की भावना अधिक प्रगाढ़ हो रही हैं। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक भागीदारी से अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। विधि मंत्री ने कहा कि आज हम जिस आजाद भारत में सांस ले रहे हैं और हमें जो संवैधानिक अधिकार व स्वतंत्रताएं मिली हैं, वह अनगिनत राष्ट्रभक्तों और कई पीढ़ियों के त्याग व बलिदान का परिणाम है। उन्होंने कहा यह दिन उन सभी वीर सपूतों को नमन करने और उनके आदर्शों पर

चलने का संकल्प लेने का है।

प्रभात फेरी में दिलाई राष्ट्रभक्ति की शपथ: जोधपुर में रविवार को जिला स्तरीय 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित प्रभात फेरी के अवसर पर विधि मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्मिकों एवं प्रतिभागियों को राष्ट्रध्वज के सम्मान एवं देश की एकता-अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात उन्होंने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को जिला कलक्टर कार्यालय से रवाना किया। प्रभात फेरी में सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं, जिला परिषद तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत प्रभात फेरी में शामिल हुए। प्रभात फेरी के माध्यम से आमजन को 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने तथा राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। जिला कलक्टर श्री आलोक रंजन ने भी जिलेवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाने तथा अपने घरों, वाहनों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

हर घर तिरंगा अभियान

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नारनौल से राज्य स्तरीय हाफ मैराथन व हर घर तिरंगा अभियान का किया शुभारंभ

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार सुबह नारनौल से राज्य स्तरीय हाफ मैराथन, हर घर तिरंगा और वंदे मातरम् महाअभियान का शुभारंभ करते हुए धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में सुबह से ही युवाओं और आमजन में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जिलाभर से पहुंचे हजारों प्रतिभागियों ने दौड़ में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सांसद धर्मवीर सिंह, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह, नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव, पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह और भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बता दे कि मैराथन के लिए 67,856 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 64,931 धावक 5 किलोमीटर और 2,925 धावक 10 किलोमीटर दौड़ में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान युवाओं को नशे

से दूर रखने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश देगा। पूरे मार्ग पर पेयजल, ग्लूकोज, प्राथमिक उपचार और अन्य आवश्यक सुविधाओं के व्यापक प्रबंध किए गए।

परिसीमन से सीमावर्ती राज्यों को हो सकता है नुकसान, गंभीरता से समीक्षा होनी चाहिए : मनीष तिवारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने रविवार को प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का कड़ा विरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि इससे उत्तर भारत, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों पर बुरा असर पड़ सकता है, जिनमें से कई राज्यों की सीमाएं अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगती हैं।

देश के मध्य हिस्से को इससे अनुचित लाभ मिल सकता है। मनीष तिवारी ने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया पर कोई भी फैसला लेने से पहले उत्तरी और पूर्वोत्तर राज्यों, खासकर भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे राज्यों की चिंताओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इस प्रस्तावित प्रक्रिया का क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और संघीय संतुलन पर व्यापक असर पड़ सकता है।

दिल्ली की गर्मी से बचने शिमला पहुंचे पर्यटक, सुहावने मौसम और वीकेंड का ले रहे आनंद

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में इन दिनों पर्यटकों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। सुहावना मौसम, ठंडी हवाएं और खूबसूरत पहाड़ पर्यटकों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए वीकेंड पर पर्यटक शिमला पहुंच रहे हैं। दिल्ली से परिवार के साथ शिमला पहुंचे एक पर्यटक ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वह मूल रूप से राजस्थान से हैं, लेकिन इस समय दिल्ली में रह रहे हैं। वीकेंड मिलते ही उन्होंने परिवार और बच्चों के साथ शिमला घूमने का प्लान बनाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इन दिनों काफी गर्मी है, ऐसे में शिमला आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां का मौसम बेहद सुहावना है।

जनसंवाद से मजबूत होगा लोकतंत्र, युवाओं की भागीदारी देगी नई दिशाः दीप्ति किरण माहेश्वरी

जयपुर(नि.सं.)। विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने जयपुर में जगन फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'जन संवाद' कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र, जनप्रतिनिधियों की भूमिका, जवाबदेही तथा अमृत

पीढ़ी की लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की शक्ति जनता के विश्वास और निरंतर संवाद में निहित है। जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनमानस की अपेक्षाओं को समझकर विकास एवं जनकल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करें। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि सार्थक संवाद लोकतंत्र को मजबूत करता है। जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच प्रभावी एवं निरंतर संवाद से शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह बनता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सहभागी और जन-केंद्रित बनाने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के साथ निरंतर संवाद आवश्यक है। 'जन संवाद' जैसे मंच विचारों के आदान-प्रदान और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आज की जेन जी जागरूक, तकनीक-सक्षम और अपने भविष्य के प्रति सजग पीढ़ी है। युवाओं के प्रश्न, विचार और सुझाव नीति निर्माण तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को नई ऊर्जा और दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी | राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की कार्यकारिणी समिति की बैठक

एसएमएस अस्पताल में मरीज हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय

डिजिटल हेल्थ, आधुनिक उपकरणों और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए मिली मंजूरी

जयपुर(नि.सं.)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में एसएमएस अस्पताल, जयपुर में राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मरीजों को बेहतर, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा अस्पताल की प्रशासनिक, वित्तीय एवं तकनीकी व्यवस्थाओं को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। बैठक में अस्पताल में

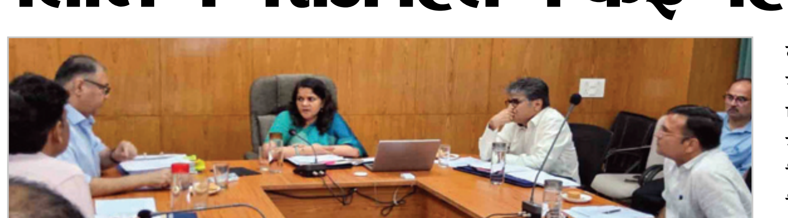

डिजिटल हेल्थ को बढ़ावा देने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने, मरीजों की सुविधा बढ़ाने तथा निर्णय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण स्वीकृतियां प्रदान की गईं।

2.5 करोड़ रुपये से अधिक के आईटी उपकरणों को मंजूरी

अस्पताल में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की डिजिटल हेल्थ इंसेंटिव स्कीम के तहत 2.5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नए आईटी उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही अस्पताल की कार्यक्षमता बढ़ाने और विभिन्न सेवाओं को गति देने के लिए आईटी हार्डवेयर की खरीद एवं अपग्रेडेशन के प्रस्ताव भी स्वीकृत किए गए। अस्पताल में उपलब्ध रिकॉर्ड को डिजिटल स्वरूप प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इससे रिकॉर्ड के सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रबंधन के साथ आवश्यकता के समय जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। तथा अस्पताल की कार्यप्रणाली अधिक तकनीक आधारित बनेगी।

मरीजों और अस्पताल कर्मचारियों के बीच बेहतर संवाद के लिए विभिन्न डीडीसी , पंजीयन डेस्क एवं मरीज इंटरफेस काउंटरों पर 100 टू-वे माइक्रोफोन सिस्टम लगाए जाएंगे।

प्रतिभाओं का सम्मान | मुख्यमंत्री ने किया खेल प्रतिभाओं का सम्मान

प्रतिभाओं की खोज के लिए खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का होगा आयोजनः मुख्यमंत्री

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अरुंधति चौधरी, यशवीर सिंह, राहुल शर्मा, मोना अग्रवाल और संध्या विश्नोई प्रदेश के गौरव हैं तथा इनसे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। इन प्रतिभावान खिलाड़ियों के प्रशिक्षकों, परिजनों और सहयोगियों के त्याग और समर्पण ने इनकी सफलताओं की नींव रखी है। मुख्यमंत्री शनिवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अरुंधति चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा है। यशवीर सिंह ने भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा अपना स?थान बना लेती है। उन्होंने कहा कि शूटिंग पैरा वर्ल्ड कप में राहुल शर्मा ने स्वर्ण पदक, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक, संध्या विश्नोई ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इन सभी ने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया है तथा राजस्थान का नाम भी गौरव के साथ स्थापित किया है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश खेलों के क्षेत्र में बढ़ रहा आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत खेलों के क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने खेलों को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम माना है। वर्तमान में भारत विश्व को यह संदेश दे रहा है कि वह सिर्फ आर्थिक प्रगति नहीं कर रहा, बल्कि खेल, विज्ञान और तकनीक जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

खेलो इंडिया से स्पोर्ट्स को मिलेगी नई दिशा– उन्होंने कहा कि देश में खेलों का मजबूत वातावरण बना है, गांव-गांव से प्रतिभा की पहचान हो रही है और उसे विश्वस्तरीय मंच तक पहुंचाने की मजबूत व्यवस्था तैयार की गई है। केन्द्र सरकार द्वारा 36 हजार करोड़ रुपये के खेलो इंडिया से खेलो को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, उपकरण, चिकित्सा सुविधा और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

जयपुर में बन रहा महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए रिकॉर्ड स्तर पर आर्थिक सहयोग भी दिया है।

राज्यपाल ने ली उदयपुर के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

नशा आग है, जिसकी आंच अपने घर तक भी पहुंच सकती है, यही बात ध्यान में रखते हुए करें जागरूकता':राज्यपाल

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने उदयपुर में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में टीबी नियंत्रण, नशामुक्ति एवं स्कूली शिक्षा सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ही आमजन में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने टीबी नियंत्रण को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र तथा सीमेंट फैक्ट्रियों में कार्यरत एवं इनसे जुड़े लोगों का सर्वे करवाकर टीबी नियंत्रण के प्रभावी उपाय किए जाएं। उन्होंने शहर की कच्ची बस्तियों में भी विशेष रूप से सर्वे करवाने तथा संभावित मरीजों की पहचान कर समय पर उपचार उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने नशामुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो लोग नशा छोड़ चुके हैं, उनका सम्मान किया जाए और उनसे लगातार संपर्क रखा जाए, ताकि वे दोबारा नशे की ओर नहीं लौटें। उन्होंने कहा कि नशा आग है, जिसकी आंच अपने घर तक भी पहुंच सकती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर जागरूकता के कार्य किए जाएं तथा युवाओं और उनके परिवारों को नशे से होने वाले सामाजिक एवं पारिवारिक नुकसान के बारे में समझाया जाए।

न्यूज इन बॉक्स

जयपुर कॉट्योर शो सीजन-14, बॉलीवुड सेलेब्स ने किया रैम्प वॉक

रॉयल राजस्थान और मॉडर्न फैशन की दिखी झलक, ग्रैंड फिनाले में आयेशा खान ने मचाया धमाल

जयपुर(नि.सं.)। चर्चित जयपुर कॉट्योर शो सीजन-14 की मानसरोवर स्थित होटल में भव्य आगाज हुआ। रॉयल राजस्थान की विरासत, आधुनिक फैशन की क्रिएटिविटी और बॉलीवुड ग्लैमर से सजे पहले दिन के शो में देशभर से आए डिजाइनर्स ने अपने आकर्षक कलेक्शन प्रस्तुत किए। देशभर के डिजाइनर्स और 60 प्रोफेशनल मॉडल्स की भागीदारी वाले इस फैशन फेस्टिवल में अलग-अलग थीम और डिजाइन लैंग्वेज ने रैंप को फैशन की रंगीन दुनिया में बदल दिया। वहीं, बॉलीवुड और मनोरंजन जगत की चर्चित हस्तियों ने शोस्टॉपर के रूप में रैंप पर उतरकर आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया।

लहरिया के रंगों से सजा 'सतरंगी सावन' उत्सव

महिलाओं ने 4 प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

जयपुर। सावन की फुहारों के बीच शनिवार को राजा पार्क स्थित में 'सतरंगी सावन' लहरिया उत्सव मनाया गया। लहरिया साड़ी में सजी महिलाओं ने सावन के गीतों पर डांस किया। 'सावन आया रे...' और 'झूला झूलूं री सखी...' जैसे पारंपरिक गीतों पर महिलाओं ने जमकर मस्ती की। लहरिया के रंग, मेहंदी और गीत-संगीत ने पूरे माहौल को राजस्थानी रंग में रंग दिया।

सावन गीतों पर नाची महिलाएं

नृत्यम फाउंडेशन और नेशनल ब्यूटी एसोसिएशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने राजस्थानी लोक संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान सावन क्वीन, बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांस और बेस्ट मेहंदी प्रतियोगिताएं भी हुईं। प्रतिभागियों ने लहरिया और पारंपरिक राजस्थानी परिधानों में कैटवॉक किया और सावन गीतों पर डांस प्रस्तुत किया।

लोकसभा अध्यक्ष ने राजकीय पुस्तकालय में नई सुविधाओं का किया लोकार्पण

जिला पुस्तकालय को 1 करोड़ रुपए की लागत से डिजिटल लाइब्रेरी के रूप में किया जाएगा विकसित:लोकसभा अध्यक्ष

जयपुर(नि.सं.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बून्दी स्थित राजकीय पुस्तकालय में छात्र-छात्राओं के लिए चावल उद्योग संघ की ओर से उपलब्ध कराई गई विभिन्न सुविधाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं से संवाद किया और जिला पुस्तकालय को और अधिक आधुनिक एवं सुविधा संपन्न बनाने के लिए उनके सुझाव भी आमंत्रित किए। इस दौरान ऊर्जा राज्यमंत्री एवं बून्दी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर भी उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें महान व्यक्तित्वों की जीवनियां पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जिन्होंने जीवन में चुनौतियों और कठिनाइयों का डटकर सामना किया है। बिरला ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे अभावों और कठिन परिस्थितियों से घबराए बिना आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जिला पुस्तकालय का 1 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिकीकरण किया जाएगा। इसके तहत पुस्तकालय को पूरी तरह डिजिटल लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया जाएगा। पाठकों के लिए सभी विषयों की ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पुस्तकालय में संसद की लाइब्रेरी तथा विभिन्न ऑनलाइन कोचिंग प्लेटफॉर्म्स का एक्सेस भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में विशेष सुविधा मिलेगी। संवाद के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें संसद भवन का भ्रमण कराने का भी आश्वासन दिया।

बिरला ने कहा कि बून्दी के खेल संकुल को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। अब युवाओं को तैराकी, एथलेटिक्स, निशानेबाजी, पारंपरिक खेलों और वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेलों की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हो रही हैं।

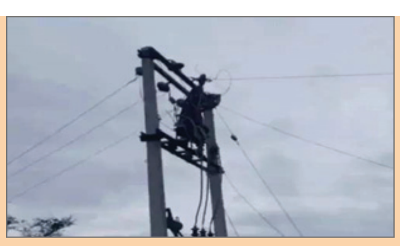

अलवर में ट्रांसफार्मर पर चढ़ी महिला

पति बोला– मरती है तो मर जाने दो; 6 पोल टूटने से गुल थी बत्ती, पुलिस को दी शिकायत

अलवर(वि.सं.)। अलवर में महिला थ्री-फेज ट्रांसफार्मर पर चढ़ गई। महिला कभी बिजली के तारों को खींचती तो कभी उन्हें हटाने लगती। मौके पर मौजूद बिजली विभाग के कर्मचारी महिला को नीचे उतरने के लिए कहते हैं, लेकिन महिला उतरने की बजाय कर्मचारियों से बहस करने लगती है। मामला रेणी इलाके के ग्राम भूड़ा का है। वीडियो भी सामने आया है, जिसमें महिला ट्रांसफार्मर पर चढ़ी नजर आ रही है। वीडियो में महिला के पति ने कहा- 'मरती है तो मर जाने दो, यह तो लाइन काटकर ही नीचे आएगी।' महिला को काफी समझाने के बाद भी वह नीचे उतरने के लिए तैयार नहीं थी। बाद में कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर समझाइश की और महिला को ट्रांसफार्मर से नीचे उतारा।

(AI) से जोड़ने की पहल

अब छोटे व्यापारी भी एआई से बढ़ा सकेंगे बिजनेस

व्यापार में AI से समय और पैसा दोनों बचेगा, एक्सपर्ट्स ने बताया तरीका

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान के कारोबार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जोड़ने की पहल शुरू हुई है। जयपुर में 'एआई व्यापारम् 2026' के तहत व्यापारियों और उद्यमियों को बताया गया कि AI का इस्तेमाल केवल बड़ी टेक कंपनियों तक सीमित नहीं है। छोटे और मध्यम कारोबारी भी इसका इस्तेमाल अपने रोजमर्रा के काम को आसान बनाने और कारोबार बढ़ाने में कर सकते हैं। एमआई रोड स्थित राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में हुए कार्यक्रम में व्यापार जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने AI के व्यावहारिक इस्तेमाल पर चर्चा की। इसमें कस्टमर सर्विस, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, खर्च कम करने, काम की रफ्तार बढ़ाने और बिजनेस एक्सपेंशन जैसे क्षेत्रों में AI की भूमिका बताई गई। 'एआई व्यापारम् 2026' की शुरुआत 31 मई को जयपुर में हुए 'राजस्थान AI समिट 2026' के बाद की गई है। पहले कार्यक्रम में AI और भविष्य की तकनीक पर चर्चा हुई थी।

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री रहे भीलवाड़ा जिले के दौरे पर

पेड़ करोड़ों रुपये मूल्य की ऑक्सीजन देते हैं, वर्षा एवं भूजल पुनर्भरण में निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका:शिक्षा मंत्री

जयपुर(नि.सं.)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री श्री मदन दिलावर ने कहा कि पेड़ मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। पेड़ हमें करोड़ों रुपये मूल्य की ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ वर्षा के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं तथा भूजल पुनर्भरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री दिलावर शनिवार को मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'हरियालो राजस्थान–एक पेड़ देश के नाम' अभियान के अंतर्गत राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, तिलक नगर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेड़ों से कुएं, नदी और बावड़ियों में जल के पुनर्भरण में मदद मिलती है। जब पानी होगा, तभी किसान खेती कर सकेंगे और अन्न का उत्पादन संभव होगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। दिलावर ने कहा कि कोरोना काल में पूरी दुनिया ने ऑक्सीजन के महत्व को महसूस किया। उस समय ऑक्सीजन की आवश्यकता ने यह स्पष्ट कर दिया कि मानव जीवन के लिए प्राकृतिक संसाधनों और वृक्षों का संरक्षण कितना जरूरी है। वृक्ष हमें ऑक्सीजन के साथ फल, फूल, औषधियां, लकड़ी सहित अनेक उपयोगी संसाधन प्रदान करते हैं। वृक्षों के इसी बहुआयामी महत्व के कारण भारतीय संस्कृति में उन्हें विशेष सम्मान दिया गया है। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे बड़ा करने और संरक्षित करने की जिम्मेदारी भी हमारी है।

चोरी के डर से खेत में गाड़े 5-लाख,दीमक खा गई

पैसे छुपाकर भूला किसान, एक साल बाद बुवाई में मिले; बैंक का नोट बदलने से इनकार

बाड़मेर(वि.सं.)। बालोतरा में एक किसान ने चोरी के डर से 5 लाख रुपए खेत में गड्ढा खोदकर छुपा दिए। एक महीने बाद वो खेत में पैसे निकालने पहुंचा, लेकिन 10 बीघा के खेत में कहां पैसे छुपाए थे, ये याद नहीं आया। दो दिन पहले 7 अगस्त को खेत की बुवाई करते समय पैसों की ये थैली मिल गई। इसके अधिकतर नोट पर दीमक लगी थी। पचपदरा थाने के नेवाई गांव के किसान मांगीलाल (50) ने बताया कि अब बैंक इन नोटों को बदलने से मना कर रहा है। मांगीलाल ने बताया कि पचपदरा में उसका एक प्लॉट था। एक साल पहले गांव में मकान बनाने के लिए प्लॉट बेच दिया था। चोरी होने के डर से पांच लाख रुपए थैली में खेत में छुपा दिए थे।

बुजुर्ग को किया ब्लैकमेल

मैरिज ब्यूरो के कर्मचारियों ने 90 साल के बुजुर्ग को फंसाया

बदनाम करने की धमकी देकर 3 साल ब्लैकमेल करते रहे, बेटे से रुपए मांगे तो खुलासा हुआ

जयपुर। जयपुर में 90 साल के बुजुर्ग को ब्लैकमेल कर 9 लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। मैरिज ब्यूरो के कर्मचारी बनकर शातिर बदमाशों ने बुजुर्ग से कॉन्टैक्ट किया था। बदनाम करने की धमकियां देकर तीन साल तक ब्लैकमेल करते रहे। महेश नगर थाने में पीड़ित बुजुर्ग के बेटे ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। ASI कैलाश चन्द ने बताया- महेश नगर के रहने वाले 79 वर्षीय व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनके 90 साल के पिता को ब्लैकमेल कर 9 लाख रुपए ऐंठे गए हैं। शिकायत में बताया- साल-2022 में शादी सेंटर डॉट कॉम नाम की कंपनी से जुड़े अनजान कर्मचारियों ने पिता के मोबाइल पर कॉल किया। बातचीत के दौरान बुजुर्ग पिता को बातों के जाल में फांस लिया।

नगर निकाय आम चुनाव-2026 | नगर निकाय आम चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

चुनाव कार्यों के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जयपुर(नि.सं.)। जिला निर्वाचन अधिकारी(म्यूनिसिपल) संदेश नायक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी नगर निकाय आम चुनाव-2026 के संबंध में गठित विभिन्न प्रकोष्ठों के कार्यों एवं तैयारियों की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करते हुए सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से निर्वहन किया जाए। निर्वाचन कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा सभी प्रकोष्ठ आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूचियों के अद्यतन एवं पुनरीक्षण, मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं, मतदान दलों के गठन एवं प्रशिक्षण, निर्वाचन सामग्री, ईवीएम, कानून-व्यवस्था, परिवहन, कार्मिक व्यवस्था, मतदाता जागरूकता, सूचना प्रौद्योगिकी, नियंत्रण कक्ष तथा निर्वाचन संबंधी अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि मतदान केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं तथा निर्वाचन से संबंधित व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक संपादकः नीरज मेहरा द्वारा बोनस ग्राफिक्स, लक्ष्मी नगर, झोटवाड़ा मार्ग, अजमेर रोड़, जयपुर-302006 से मुद्रित एवं 141, दयानन्द नगर, फेज प्रथम झालाना डूंगरी गली नंबर 19, थाना गांधी नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। प्रबंध संपादक- पी.के.बृजवाल, 9950325930, 9571635930 (कानूनी सलाहकार एडवोकेट कैलाशनाथ भट्ट)